establish more Ayurvedic hospitals in future? I am asking this question particularly because the Government of India and the Ministry of Health are spending so much money for the development of Ayurvedic system of medicine.

MR. CHAIRMAN: This is not related to the question. But I will allow the Minister to answer. (*Interruptions*).

SHRI YOGENDRA MAKWANA: Not only Ayurvedic, but all Indian systems of medicines are encouraged by the Government in all the hospitals existing in Delhi and elsewhere. We have also revised their curriculum and courses recently so that it can be strengthened and made more efficient.

MR. CHAIRMAN: Next question. Question No. 324—Hon. Member absent. Next question.

*324. [*The questioner (Shri F. M. Khan), was absent. For answer vide col 43 infra.*]

टिस्को और टेल्को कंपनियों से रेल वैगनों की मांग

*325. **श्री हुक्मदेव नारायण यादव :**
श्री बी० सत्यनारायण रेड्डी :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि पिछले तीन वर्षों में टिस्को और टेल्को द्वारा किस तरह के कितने रेल वैगनों की मांग की गई थी, कितने की आपूर्ति की गई और उक्त कंपनियों द्वारा डिब्बे खाली लौटाए जाने के कारण रेलवे को कितना नुकसान उठाना पड़ा ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिन्धिया) : सभा पटल पर एक विवरण रख दिया गया है ।

विवरण

पिछले तीन वर्षों में टिस्को तथा टेल्को द्वारा मांगे गये और उन्हें सप्लाई किये गये (टिस्को को आवक लदे और खाली) रेल माल डिब्बों का किस्मवार ब्यौरा इस प्रकार है :—

मांग

वर्ष	टिस्को			टेल्को			
	बी ओ एक्स	बी एफ आर/ बी आर एच	साधारण	बी सी एक्स	सी आर टी	बागा माल डिब्बे	साधारण चौपहिया माल डिब्बे
1982	18043	10202	10338	26	31	206	75
1983	20254	8946	8563	243	264	55	54
1984	21352	8525	7760	30	63	75	28

*The question was actually asked on the floor of the House by Shri B. Satyanarayan Reddy.

सप्लाई किये गये

वर्ष	टिस्को				टेल्को							
	बी ओ एक्स/बी के सी		बी एफ आर/बी आर एच		साधारण		बी सी एक्स		सी आर टी			
	लदे हुए	खाली	लदे हुए	खाली	लदे हुए	खाली	लदे हुए	खाली	लदे हुए	खाली	बोगी माल डिब्बे	साधारण चोप-हिया माल डिब्बे
1982	51402	1091	271	8807	10054	433	1709	155	2292	20	206	75
1983	55641	900	331	7289	12289	239	1910	69	2169	12	155	54
1984	56006	710	437	7952	13751	902	2298	164	2684	8	75	28

बी ओ एक्स माल डिब्बों की सप्लाई मांग से बहुत अधिक है क्योंकि इस्पात संयंत्रों को विभिन्न स्थानों से कच्चा सामान प्राप्त होता है और ये बी ओ एक्स माल डिब्बे लदी हुई हालत में आते हैं। फालतू माल डिब्बे इस्पात संयंत्रों द्वारा खाली लौटाये जाते हैं।

चूंकि सभी इस्पात संयंत्रों की कार्य प्रणाली इसी पैटर्न की है, इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि टिस्को द्वारा खाली माल डिब्बे लौटाये जाने के कारण रेलों को हानि उठानी पड़ी।

श्री बी० सत्यनारायण रेड्डी : सभापति जी, मंत्री महोदय ने जो जवाब दिया है, इसमें बताया गया है कि डिब्बों की जो डिमाण्ड थी, उससे सप्लाई बहुत ज्यादा थी, जिसकी वजह से अनलोडेड कंडीशन में वेगन वापस किए जा रहे है तो इसके कारण कोई नुकसान रेलवे को नहीं होता? मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि डिमाण्ड से सप्लाई ज्यादा क्यों होती है और जो रेलवे को नुकसान हो रहा है, किस वजह से नुकसान हो रहा है, इसके बारे में बताएं?

श्री माधवराव सिंधिया : सर, स्टील प्लांट में जो सामान्य प्रकिया, है उसके अनुसार टिस्को में यह वेगन सप्लाई किए जाते हैं। स्टील प्लाण्ट में औसत लगभग पांच टन रा-मेटेरीयल लगता है, एक टन फिनिश-प्राडक्ट का उत्पादन करने के लिए और इसीलिए यह स्वाभाविक है, सामान्य है कि जितने वैगन रा-मेटरियल भर कर आएं, उतने वैगन की आवश्यकता फिनिश-प्रोडक्ट लोड करने के लिए नहीं है और यह एम्पटी वेगन जाएंगे सभी स्टील प्लांट में यही प्रक्रिया है।

श्री बी० सत्यनारायण रेड्डी : सर, क्या पहले से इनके पास कोई ऐसी योजना नहीं है कि उनको जितने की जरूरत होती है, उतने ही वेगन सप्लाई होने चाहिएं? तो जरूरत से ज्यादा क्यों होते हैं। इसका मतलब पहले से कोई योजना नहीं है। यदि है, तो ज्यादा क्यों जाते हैं?

श्री माधवराव सिंधिया : वैगन आवश्यकता मुताबिक ही सप्लाई किए जाते हैं।

श्री बी० सत्यनारायण रेड्डी : आपने कहा है कि डिमाण्ड से ज्यादा सप्लाई है

"Supply of box wagons is much more than the demand because steel plants get raw materials from different points and these box wagons go in loaded condition. The surplus wagons are returned by the steel plants as empty."

श्री माधवराव सिंधिया : सर, मैंने पहले ही कहा कि एक टन फिनिश प्रोडक्ट के लिए पांच टन कच्चे माल की आवश्यकता होती है और इसलिए यह स्वाभाविक ही होगा कि एम्पटी वापस जाएगी एक उनको रा-मेटेरियल की आवश्यकता को पूरा करने के लिए और दूसरी तरफ उनके फिनिश प्रोडेक्ट जो बाहर जाता है, उसकी आवश्यकता पूरी करने के लिए वैगन देने होंगे and those requirements will always be different.

SHRI INDRADEEP SINHA: Sir, I agree with the hon. Minister that in a steel plant, empty wagons will go in the return journey. But is it a fact that the TISCO has been taking advantage of this situation to illegally transport their slag on these empty wagons to their cement plants without paying anything to the Railways?

SHRI MADHAVRAO SCINDIA: Sir, there is a case registered by the GRP in March, 1977 in Tatanagar. And as the matter is now *sub judice*. I would not think it is appropriate to comment on it.

MR. CHAIRMAN: Shri Jagdambi Prasad Yadav.

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : सभापति जी, मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि स्टील प्लांट को सफिसियेण्ट डिब्बे जाए, यह तो ठीक है, लेकिन दूसरे व्यवसायी जैसे बिहार में प्राकुर है, जहां से सबसे कीमती पत्थर सप्लाई होता है, उनको 50 डिब्बे की आवश्यकता होती है, तो 10 डिब्बे मुश्किल से दिए जाते हैं और उनके लिए उन्हें खर्च करना पड़ता है, तो छोटे-छोटे व्यवसायियों को डिब्बे देने में क्या दिक्कत है और जो बड़े स्टील-प्लांट हैं, उनको आप अधिक सप्लाई करते हैं, इसमें दोहरी नीति के क्या कारण हैं?

श्री माधव राव सिंधिया : सर, दोहरी नीति का सवाल नहीं उठता। देश की अर्थ-व्यवस्था में जो प्राथमिकताएं तय की गई हैं, उन्हीं प्राथमिकताओं के अनुसार वैगन सप्लाई किए जाते हैं।

श्री बिट्ठलराव माधवराव जाधव : सर, मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं, जैसा उन्होंने बताया कि पांच टन रा-मेटेरीयल से एक टन फिनिश-प्रोडक्ट तैयार होता है, तब यह चार टन वेस्ट मेटेरीयल निकलता होगा, तो मैं यह जानना चाहता हूं कि वह वेस्ट-मेटेरीयल कैसे बाहर लाया जाता है (व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: Next question—Question No. 326.

Social Programmes in the Tribal Areas of Orissa

*326. DR. SHYAM SUNDAR MOHAPATRA: Will the Minister of SOCIAL AND WOMEN'S WELFARE be pleased to state:

(a) what social programmes have been taken up in the tribal areas of Orissa; and

(b) whether any family planning agency has been involved therein?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SOCIAL AND WOMEN'S WELFARE (SHRIMATI MARAGATHAM CHANDRASEKHAR): (a) and (b) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

DR. SHYAM SUNDAR MOHAPATRA: Mr. Chairman, Sir, I had tabled the question about the fate of the tribals and what social benefit work had been done in the area. I am surprised to find that the Government does not have the figures and does not know what has been done even during the last five years to benefit their fate. Sir, our hon. Prime Minister had visited the tribal areas of Orissa, Kalahandi and Phoolbani. For the first time somebody went to the remote tribal villages of Orissa and talked to them personally, met distressed women, saw the emaciated children, how they were famine stricken and how the starvation deaths had taken place. It created great impact in Orissa. But it is surprising, Mr. Chairman, that nothing has been done in the tribal areas. The Prime Minister wrote a letter to the Chief Minister. I quote the *Statesman* with the title 'PM's Concern over Poverty in Orissia'. Expressing concern over the widespread poverty in the area, Mr. Rajiv Gandhi said that the poorest of the poor (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Just a minute.

DR. SHAYAM SUNDAR MOHAPATRA: Sir, I see your indulgence, I want to know how his Prime Minister's letter was shown to the press and the Chief Minister changing the phraseology has made public that everything has been done. (*Interruptions*).

MR. CHAIRMAN: You please hear me. You won't even hear me.

DR. SHYAM SUNDAR MOHAPATRA: I am sorry, Sir.

MR. CHAIRMAN: I have allowed a Special Mention by you on this matter. Therefore, whatever questions you want to put, put them now and don't have the preliminaries.

DR. SHYAM SUNDAR MOHAPATRA: Sir, I ask the question from the hon. Minister. The question is will you kindly find out the fate of women because it has come out in all the newspapers that at least ten thousand tribal women have been deserted by their husbands who are nothing but Government servants. In the tribal areas they are keeping them as concubines and telling them, we are going to marry you, but they ultimately desert them and leave them. Will you kindly inquire into it?